संज्ञा

संज्ञा शब्द का अर्थ होता है- सम्यक, (ठीक) ज्ञान कराने वाला शब्द।
किसी व्यक्ति, वस्तु के गुण, धर्म, नाम, स्वभाव आदि का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के भेव

1. व्यक्ति वाचक

2.जातिवाचक

3. भाववाचक

4. समुदाय वाचक

5. द्रव्यवाचक

1. व्यक्ति वाचक-- जिस संज्ञा में किसी विशेष व्यक्ति स्थान अथवा वस्तु का बोध होता है, उसे व्यक्ति वाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- सायली, मुंबई, गंगा, हिमालय, भारत आदि ।

2. जातिवाचक-- जिन शब्दों से किसी सम्पूर्ण जाति का बोध होता है। उसे जातिवाचक संज्ञा कहते है।
जैसे- लड़की शहर, नदी, बालक, पर्वत, देश आदि।

3. भाववाचक-- जिस संज्ञा से पदार्थों के गुण, दोष अवस्था, व्यापार व भाव आदि का बोध हो ।
जैसे-- तुलसी के वचनों में <u>मिठास</u> है।
<u>आलस्य</u> मनुष्य का शत्रु है।
<u>मित्रता</u> ऐसी होनी चाहिए।
यहाँ अधोरेखांकित शब्द भाववाचक संज्ञाएँ है।
भाववाचक संज्ञाएँ निम्न रूप से बनती है--
1. जातिवाचक संज्ञा से
2. विशेषण से
3. सर्वनाम से
4. क्रिया से
5. अव्यय से

1] जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञाएँ --
लड़का -- लड़कपन
मनुष्य -- मनुष्यता / मनुष्यत्व
बूढ़ा -- बूढ़ापा
मित्र -- मित्रता

2] विशेषण से भाववाचक संज्ञाएँ --
सुन्दर -- सुन्दरता
मधुर -- मधुरता / माधुर्य
लोभी --- लोभ

हरा -- हरियाली

3] सर्वनाम से भाववाचक संज्ञाएँ **--**

अपना -- अपनापन

मम -- ममत्व / ममता

4] क्रिया से भाववाचक संज्ञाएँ **--**

खेलना -- खेल

लढना-- लढाई

पढ़ना -- पढ़ाई

हँसना -- हँसाई

5] अव्यय से भाववाचक संज्ञाएँ **--**

भीतर -- भीतरी

दूर - दूरी

व्यवहार - व्यावहारिक

तथा -- तथत्व

मिथ्या -- मिथ्यत्व

संज्ञा में होनेवाले रूपांतर

संज्ञा में लिंग वचन और कारक अनुसार परिवर्तन होता है। इस परिवर्तन को रूपांतर कहा जाता है। संज्ञा में होनेवाला परिवर्तन मुख्य रूप से इन्हीं तीन आधारों पर होता है।

1 लिंग के अनुसार संज्ञा का रूपांतर**:--**

हिंदी में दो लिंग है--1] स्त्रीलिंग 2] पुल्लिंग

लिंग के अनुसार संज्ञा में परिवर्तन होता है और वचन के कारण संज्ञा तथा क्रिया दोनों में रुपांतर हो जाता है। यदि स्त्रीलिंग संज्ञा हो तो उसकी क्रिया भी स्नीलिंग में रहती है। जैसे - लड़की पुस्तक पढ़ती है। इस वाक्य में लड़की इकारात, स्त्रीलिंगी, एकवचनी है। इसी के अनुसार क्रिया भी बन जाती है।

पुलिंग संज्ञाओं में क्रिया पुल्लिंग में ही रहती है। लिंग के वचनानुसार अंत में रूपांतर होता है।

जैसे-- लड़का पुस्तक पढ़ता है।

इस वाक्य में लड़का आकारात, पुल्लिंग और एकवचनी संज्ञा है और उसकी क्रिया पढ़ता है, यह भी आकारांत, एकवचन, सामान्यकाल की क्रिया है। हिंदी में वचन के अनुसार केवल पुल्लिंग संज्ञाओं की क्रिया में ही रूपांतर होता है। अर्थात क्रिया एकवचन में है या बहुवचन में है यह जानने के लिए संज्ञा का लिंग पहचानना जरूरी है।

सा

2 वचन के रूप अनुसार संज्ञा का रूपांतर**:--**

हिंदी में दो वचन है और इन वचनों के संज्ञाओं में क्रिया में परिवर्तन आता है। स्त्रीलिंग संज्ञा और पुल्लिंग संज्ञा जब एकवचन से बहुवचन में परिवर्तित होती में है तो वचन परिवर्तन के नियम के अनुसार पहले संज्ञा में परिवर्तन आता है। उसके बाद क्रिया में परिवर्तन होता है।

जैसे:- लड़की पुस्तक पढ़ती है।

लड़कियाँ पुस्तक पढ़ती है।

इन वाक्यों में लड़की संज्ञा इकारांत, स्त्रीलिंग, एकवचन की है अत: उसकी क्रिया पढ़ती है भी इकारांत, स्त्रीलिंगी एकवचन में है। वचन परिवर्तन करते समय इकारात, स्त्रीलिंग संज्ञाओं में इयां प्रत्यय लगता है। इसलिए लड़की का बहुवचन लड़कियाँ बन जाता है और उसके अनुसार पढ़ती है भी इकारात, बहुवचनी क्रिया बनती है। आकारात ,

पुल्लिंग, एकवचन का शब्द लड़का पुस्तक पढ़ता है का पुल्लिंग, बहुवचन बनाने के नियम के आधारपर आकारांत, पुल्लिंग संज्ञाओ का एकारांत बनाने पर उसका बहुवचन लडके बन जाता है। अतः लडका संज्ञा का बहुवचन लड़के बन जाता है और इसी के आधार पर क्रिया भी एकारात बन जाती है। जैसे-- लड़के पुस्तक पढ़ते है। इस तरह वचन के कारण संज्ञा और क्रिया में रूपांतर हो जाता है।

3 कारक के अनुसार संज्ञा में रूपांतर:--

हिंदी की कारक रचना अपने आप में विशिष्ट है। कारक के अनुसार भी संज्ञा में परिवर्तन होता है। यह परिवर्तन कारक के आठों प्रकारों में हो जाता है।

जैसे-- हिन्दी में प्रथमा विभक्ति को कर्ता कारक कहा जाता है जिसका प्रत्यय 'ने' है। अंत: संज्ञा के बाद यदि 'ने' प्रत्यय लगता है तो उसका अर्थ है कर्ता कारक का जुड़ जाना। पुल्लिंग संज्ञा हो तो उसका एकवचन में 'ए' प्रत्यय के बाद 'ने' विभक्ति प्रत्यय लगता है।

जैसे :-- लड़का + ने = लड़के ने

लड़के ने खाना खाया ।

स्त्रीलिंग संज्ञओं में एकवचन में कोई परिवर्तन नहीं होता और केवल कारक प्रत्यय जूड़ जाता है।

जैसे: लड़की + ने = लडकी ने

लडकी ने खाना खाया।

पुल्लिंग बहुवचनी संज्ञाओं में 'ने' प्रत्यय जुड़ने के के कारण आकारात पुल्लिंग संज्ञा ओकारांत बन जाती है। 'ओं के बाद 'ने' प्रत्यय लगता है।

जैसे:-- लड़का + ने = लड़को ने

लड़को ने खाना खाया।

इसी प्रकार स्त्रीलिंग एकवचन संज्ञा का बहुवचन में परिवर्तन करने के बाद कर्ता कारक लगता है।

जैसे:- लड़की + ने = लड़कियों ने

लड़कियों ने खाना खाया।

इसी प्रकार संबोधन कारक तक कम अधिक मात्रा में संज्ञाओं में रूपांतर हो जाता है। सभी विभक्ति प्रत्यय या कारक संज्ञा के बाद लगता है। केवल संबोधन कारक संज्ञा के पहले लगता है।